Publication Name: Amar Ujala
Publication Date: 14/11/2025
Edition: Delhi
Page No: 22
CCM: 193.38

New Era of Rural Prosperity Begins with Cooperation: Shah

सहकारिता से शुरू हुआ ग्रामीण समृद्धि का नया युग : शाह

केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने गुजरात में श्री मोती भाई आर चौधरी सागर सैनिक स्कूल और सागर ऑर्गेनिक प्लांट का किया उद्घाटन

नई दिल्ली/अमदाबाद। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता आंदोलन को नई ऊर्जा मिली है, जिससे देश के गांवों में समृद्धि और आत्मनिर्भरता का नया दौर शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से किसान, पशुपालक और महिलाएं अब न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रही हैं।

बृहस्पतिवार को शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये गुजरात के माणसा में श्री मोती भाई आर. चौधरी सागर सैनिक स्कूल और सागर ऑर्गेनिक प्लांट का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में पिछले 11 वर्षों में भारत ने सहकारिता के क्षेत्र में जो

उपलब्धियां हासिल की हैं, उन्हें पूरी दुनिया स्वीकार कर रही है। शाह ने मोती भाई चौधरी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर चलते हुए जीवनभर किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण समाज के उत्थान के लिए काम किया। मोती भाई काका ने प्रामाणिकता और पारदर्शिता के साथ ऐसा आदर्श जीवन जिया, जिसने गुजरात के सहकारिता आंदोलन को नई दिशा दी। ब्यूरो

11 एकड़ में 50 करोड़ रुपये की लागत से बना है सैनिक स्कूल

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देशभर में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें से एक, मोती भाई चौधरी सागर सैनिक स्कूल, गुजरात के बच्चों को भारतीय सशस्त्र सेनाओं में सेवा करने के अवसर प्रदान करेगा। यह स्कूल 11 एकड़ भूमि में 50 करोड़ रुपये की लागत से बना है और आधुनिक सुविधाओं से लैस है।

■ **ऑर्गेनिक खेती करने वाले सभी किसानों को मिलेगा मुनाफा :** शाह ने कहा कि अमूल ब्रान्ड के तहत विश्वसनीय ऑर्गेनिक उत्पाद देश और दुनिया में पहुंचें और ऑर्गेनिक खेती करने वाले सभी किसानों को मुनाफा मिले, इसके लिए सागर ऑर्गेनिक प्लांट बहुत महत्वपूर्ण है। लगभग 30 मीट्रिक टन दैनिक क्षमता वाला यह संयंत्र ऑर्गेनिक उत्पादों के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम और कृषि व प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण से प्रमाणित है। शाह ने कहा कि इस ऑर्गेनिक प्लांट के विस्तार से देश के सभी नागरिकों के स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानों की आय भी बढ़ेगी।

SAHANA system limited
Powered By: Sahana System Limited

Publication Name: Virat Vaibhav
Publication Date: 14/11/2025
Edition: Delhi
Page No: 1
CCM: 272.42

Central Government to Establish 100 Sainik Schools Across the Country Under PPP Model: Shah

केंद्र सरकार पीपीपी मॉडल के तहत देशभर में 100 सैनिक स्कूल स्थापित करेगी : शाह

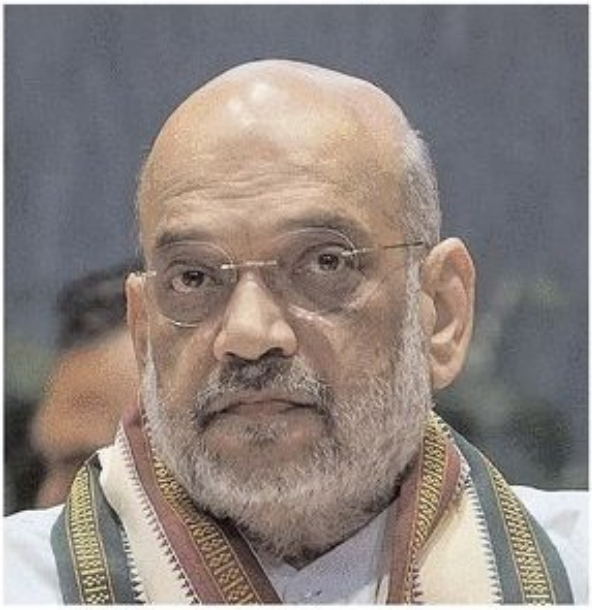

वैभव न्यूज ■ वोरियावी(गुजरात)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत देशभर में 100 सैनिक स्कूल स्थापित करने का फैसला किया है।

श्री मोतीभाई आर चौधरी सागर सैनिक स्कूल (एमआरसीएसएसएस) और सागर ऑर्गेनिक प्लांट के उद्घाटन समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि ए स्कूल गुजरात के कई जिलों के बच्चों के लिए सशस्त्र बलों में सेवा करने का मार्ग खोलेंगे। ए क सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्री मोतीभाई आर चौधरी सागर सैनिक स्कूल (एमआरसीएसएसएस) का निर्माण 50 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है और यह स्मार्ट कक्षाओं, छात्रावासों, पुस्तकालय और कैंटीन जैसी सुविधाओं से सुसज्जित है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र ने पीपीपी मॉडल के तहत देशभर में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने का निर्णय लिया है। इनमें से मोतीभाई चौधरी सैनिक स्कूल निश्चित रूप से मेहसाणा के लिए गौरव का प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा कि अमूल ब्रांड के तहत विश्वसनीय जैविक उत्पादों की देश और दुनियाभर में पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सागर ऑर्गेनिक प्लांट बहुत महत्वपूर्ण है और जैविक खेती में लगे सभी किसानों को उचित लाभ मिलता है। शाह ने कहा, लगभग 30 मीट्रिक टन की दैनिक क्षमता वाला यह संयंत्र राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) और कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) के तहत प्रमाणित है। एपीईडीए प्रमाणन के कारण, उत्तरी गुजरात में प्राकृतिक खेती में लगे किसानों को बहुत लाभ होगा क्योंकि उनकी उपज वैश्विक बाजारों तक पहुंच सकेगी। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि इस जैविक संयंत्र के विस्तार से न केवल देशभर के नागरिकों के स्वास्थ्य में सुधार होगा, बल्कि जैविक खेती से जुड़े किसानों की आय में भी वृद्धि होगी।उन्होंने जैविक खेती में लगे सभी किसानों और उनके परिवारों से स्वस्थ रहने के लिए जैविक उत्पादों का उपयोग करने का आग्रह किया।1960 में दूधसागर डेयरी प्रतिदिन 3,300 लीटर दूध एकत्र करती थी, जो अब बढ़कर 35 लाख लीटर प्रतिदिन हो गई है। यह डेयरी गुजरात के।,250 गांवों के पशुपालकों और राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के 10 लाख से अधिक दूध उत्पादन समूहों से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, इसका कारोबार 8,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। आठ आधुनिक डेयरियों, दो दूध शीतलन केंद्रों, दो पशु चारा संयंत्रों और एक सीमेंट उत्पादन इकाई के साथ, दूधसागर डेयरी आज गुजरात की श्वेत क्रांति में एक प्रमुख भूमिका निभा रही है।

SAHANA system limited
Powered By: Sahana System Limited